ASSIGNMENT
कला एवं कला शिक्षण

इकाई –1

कला क्या है।

1. अपने विद्यालय के परिवेश को कलात्मक बनाने के लिए एक कार्ययोजना बनाईए तथा बच्चों के मदद से उसे क्रियान्वित करें। कम से कम दो हफ्ते शाला परिवेश को इसी तरह बनाए रखने का प्रयास करे। इस पूरे अनुभव का एक विस्तृत रपट तैयार करें।
2. अपने आसपास के किसी पांच ऐसी चीजों को छांटिये जिन्हें आप कलाकृति मानते है। उन्हें आप कलाकृति क्यों मनाते हैं, हरेक से संदर्भ में लिखें।
3. अच्छे चित्रों का हू ब हू नकल उतारना कला शिक्षण में किस हद तक मददगार है, अपना विचार लिखें।
4. देशी कला व मार्गी कला में अंतर किस प्रकार करेंगें। दोनों का कुछ उदाहरण देते हुए समझाायें।
5. क्या हर कला कृति का सुन्दर होना जरूरी है। क्या बदसूरत चीजें भी कलात्मक हो सकते हैं–उदाहरण सहित अपना विचार लिखें।
6. नन्दालाल बसु के अनुसार बच्चों की शिक्षा कमें कला को स्थान क्यों दिया जाना चाहिए। आप उनके तर्कों से कहां तक सहमत हैं।
7. क्या आप ललित कला और उपयोगी कला को अलग मानते हैं। क्या आप दोनों में कोई संबंध देखते हैं। देवी प्रसाद के आलेख के संदर्भ में अपने विचार लिखें।
8. कला सिखाने का मतलब हाथ के काम में दक्षता हासिल करना नहीं है। इस कथन को उदाहरण सहित समझाइये।
9. निम्नलिखित में से ललित कला व उपयोगी कला को छांटिए– खाना बनाना, नाटक करना, गणेश उत्सव के लिए गणेश की मूति बनाना, बांसुरी बजाना, लकड़ी के फर्नीचर बनाना, लकड़ी की मूर्ति बनाना, मिट्टी से मटके बनाना, कांसे के बर्तन बनाना, कांस्य मूर्ति बनाना। बताइये आपने इन्हें किन आधारों पर वर्गीकृत किया।
10. चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत या नृत्य साधने से हमारे देखने, सुनने स्पर्श आदि की क्षमताओं में क्या फर्क आता है, इसे अपने तर्क से समझाइये।
11. लेखक के अनुसार कला शिक्षण से मनुष्य और प्रकृति के बीच कैसा रिश्ता बन जाता है। सही विकल्प चुनिए–
    - मनुष्य प्रकृति को समझ सकता है।
    - मनुष्य प्रकृति पर नियंत्रण पा सकता है।
    - मनुष्य प्रकृति को मैत्री भावना से देखने लगता है।
    - मनुष्य प्रकृति से संघर्श के लिए तैयार हो जाता हैं
    - मनुष्य प्रकृति का संरक्षण करने लगता है और उससे सांत्वना पाता हैं
    - मनुष्य प्रकृति का भरपूर दोहन कर पाता है।
    - चुने गए विकल्प के पक्ष में अपना तर्क दीजिए।

ASSIGNMENT

शाला और समुदाय

1. शालेय परिवेश में आप किस किस प्रकार की विभिन्नताएं देखते हैं, विविधताएं समाज को किस किस तरह से समृद्ध करती हैं ?
2. आप या आपके किसी परिचित की खुद से भिन्न सामाजिक आर्थिक परिवेश से आए व्यक्ति से दोस्ती हुई होगी, इससे उनका जीवन कैसे समृद्ध हुआ ?
3. विविधता, असमानता और भेदभाव के बीच किस तरह के अन्तर्सम्बंध हैं? अपने आसपास के उदाहरण से इसकी विवेचना कीजिए?
4. जातिगत पूर्वाग्रह का बच्चों के शिक्षण पर क्या प्रभाव पड़ता है?
5. सामाजिक भेदभाव के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन कीजिए। इसका बच्चों के शाला में सीखने पर क्या असर पड़ता है?
6. जनजातीय समुदाय को देश के विकास की मुख्यधारा में जोड़ा जाना चाहिए। इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए?
7. बच्चे का अमीर या गरीब तबके से होना, उसकी शैक्षिक उपलिब्धयों को कैसे प्रभावित करता है?
8. उच्च वर्ग और श्रमिक वर्ग के बच्चों में शैक्षिक अंतर को किताब में दिए पाठ के आधार पर समझाइये?
9. किसानों द्वारा खेतों में तथा कारीगरों द्वारा अपने बच्चों से पारम्परिक काम कराए जाने से उन बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है। इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपना मत दीजिए?
10. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए शासकीय कदमों का वर्णन कीजिए। उनकी उपलब्धियों व कठिनाइयों के बारे में बताइये?
11. जनजातीय पहचान से क्या आशय है? विकास की अवधारणा, उनकी संस्कृति और जीविकोपार्जन को कैसे प्रभावित करती है?

Assignments Categorization

बालविकास सीखना व सिखाना

Part 1 (unit 1):

1. बचपन कैसा होना चाहिए? अपने बचपन के दिनों को याद कर उनका उल्लेख कीजिए।
2. '' बाल्यकाल जीवन का अनोखा काल है।'' इस कथन की सोदाहरण पुश्टि कीजिए ।
3. एकल कामकाजी एवं संयुक्त परिवार में बच्चे का विकास किस तरह से होता है आपके अनुसार से इन दोनों परिवारों में से कौन सा बच्चे के संपूर्ण विकास/उपयुक्त विकास में सहायक है और क्यों?
4. समरहिल स्कूल के खूबियों और कमियों को विस्तार से लिखिए । इनमें से कौन सी खूबियों को आप अपने कक्षा और ाला में अपनाना चाहेंगे?
5. जान होल्ट के अनुसार बच्चों के असफल होने के कारण बताये गए हैं उनमें से कोई चार कारणों की व्याख्या करें।
6. तोत्तोचान को पहली शाला की अपेक्षा दूसरी शाला क्यों पसंद आई। किन्हीं पांच कारणों का वर्णन कीजिए ।
7. पाठ्यपुस्तक के आधार पर उजागर होने वाली बाल चरित्र की विशेषताओं को विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
8. बच्चे अपनी कल्पना से नए–नए विचारों की रचना करते हैं। पाठ्यपुस्तक के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए।
9. ''बच्चे वह सब नहीं सीखते जो हम उन्हें पढ़ाते हैं।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।
10. गिजुभाई शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए बच्चों से किस प्रकार की गतिविधि कराने का सुझाव देते हैं। आप अपने शाला में इनमें से कितने का पालन करते हैं।उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
11. विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई में पूर्ण आजादी दी जानी चाहिए । आप अपने विचार समरहिल की समीक्षा करते हुए दीजिए।
12. अभिभावकों के द्वारा बच्चों को ट्यूशन भेजना बच्चों के लिए लाभदायक है या हानिकारक घ अपना मत तर्क सहित दीजिए।?
13. गिजुभाई शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए बच्चों से किस प्रकार की गतिविधियॉ कराने का सुझाव देते हैं? उनका विस्तारपूर्वक विवरण देते हुए स्वयं भी कोई दो गतिविधियॉ सुझायें।
14. पिप्पी लंबे मोजे और अनारको के आठ दिन पढ़ने के बाद बच्चों की प्रवृत्ति के बारे में कौन सी विशेशतायें आपको समझ में आई ?कोई पॉच विशेषतायें इन कहानियों में से उदाहरण देते हुए समझाइए।

ASSIGNMENT
भाषा व भाषा शिक्षण

01 बच्चे अपने काम का संचालन करने के लिए भाषा का प्रयोग किस तरह करते हैं ? कम से कम दो उदाहरणों से समझाइए। (अपने परिवार, अथवा आसपास के बच्चों, कक्षा के बच्चों की बातचीत सुनने से मदद मिलेगी।)

02 बच्चे अपनी उलझनों को सुलझाने के पड़ताल और तर्क का सहारा लेते हैं। अपनी किसी कक्षा के संदर्भ में समझाइए।

03 ''हमारी बात का असर हम पर ही पड़ता है।'' कैसे? तीन अलग–अलग परिस्थिति के उदाहरण देकर समझाइए।

04 बच्चे शब्दों का इस्तेमाल खिलौने की तरह करते हैं।'' चार उदाहरण देकर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

05 भाषा में अनुकूलन से क्या आशय है? बोलने में अनुकूलन की क्या भूमिका होती है, किन्हीं दो उदाहरण देकर समझाइए।

06 हिन्दी भाषा की जटिलता के दो उदाहरण दीजिये। उदाहरण अलग–अलग स्तर से हो सकते है यथा ध्वनि के स्तर पर, शब्द के स्तर पर अथवा वाक्य के स्तर पर।

07 भाषा सीखने की प्रक्रिया जटिल होते हुए भी हर बच्चा स्वाभाविक रूप से भाषा सीख लेता है। कैसे सीख लेता है? बच्चे का इतनी आसानी से भाषा सीखना हमें बच्चों की क्षमताओ के बारे में क्या–क्या बताता है?

08 जानवर और मनुष्य की भाषा में क्या–क्या अंतर है? कम से कम तीन अंतर बताइये।

09 ''इन्सानी भाषा लचीली व सृजनात्मक होती है।'' इस कथन को किन्हीं दो उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।

10 ''इन्सानी भाषा में विस्थापन की क्षमता है।'' इस क्षमता के कारण इन्सान ऐसा क्या–क्या कर सकता है जो अन्य जीव नहीं कर सकते? स्पष्ट कीजिए।

11 भाषा के मनमानेपन से क्या तात्पर्य है? अपनी मातृभाषा और हिंदी भाषा के उदाहरण देकर इसे स्पष्ट कीजिये।

Assignments
ज्ञान, शिक्षाक्रम एवं शिक्षणशास्त्र

Slot 1

प्रश्न :– तोमोय स्कूल में सिखाई जाने वाली–पॉच चीजों का उल्लेख कीजिए जो आम स्कूलों में नहीं सिखाई जाती ?

प्रश्न :– दिवास्वप्न में शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग किये जाने वाले हेडमास्टर के धैर्य से सुनने और अभिभावक से उनके व्यवहार का प्रयोग अपने विद्यालय में करें तो इससे शैक्षिक वातावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा। किन्हीं पॉच प्रभावों को लिखिए।

प्रश्न :– विभिन्न विषयों के शिक्षण के संदर्भ में तोमोय स्कूल और आपके स्कूल में आप क्या अंतर देखते हैं ?

प्रश्न :– समर हिल स्कूल में बच्चों की आजादी के बारे में किस तरह की बातें कही गई हैं, आप उनसे सहमत है या असहमत स्पष्ट करें।

प्रश्न :– अधिगम प्रक्रिया में बच्चों को सुनना और समझना क्यों आवश्यक है, तोतोचान कहानी के आधार पर उत्तर दीजिये।

प्रश्न :– तोतोचान को किन–किन गल्तियों के कारण पहले स्कूल से निकाला गया था – क्या वास्तव में वे गल्तियॉ थीं – तर्क सहित अपनी बात स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न :– शिक्षा में सिर्फ बौद्धिक विकास ही पर्याप्त नहीं है शिक्षा बौद्धिक के साथ –साथ भावनात्मक भी होनी चाहिए इस कथन के अनुरूप अपने विद्यालय में कोई पॉच गतिविधियॉ आयोजित करनें की योजना लिखें।

प्रश्न :– क्या प्रत्येक विषय एक ही तरीके से पढ़ाया जाना चाहिये? अथवा विषयों को संदर्भानुसार अलग–अलग तरीकों से सीखने व समझने का अवसर देना चाहिए ? अपने विचार के समर्थन में पॉच कारण दीजिए ?

प्रश्न :–यास्नाया पोल्याना विद्यालय की प्रमुख विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न :– कौशलात्मक ज्ञान में हम कोई शारीरिक क्रिया करते हैं और उपकरणों का संचालन करते हैं या किसी पदार्थ के रूप या स्थान में बदलाव करते हैं। विद्यालय में बच्चों को कौशलात्मक ज्ञान देने के लिए उक्त संदर्भ में पांच गतिविधियॉ जो आप करना चाहेंगे का उल्लेख करेंगें।

प्रश्न :–एक बच्चे को परिचयात्मक ज्ञान कराने के लिए आप कौन–कौन से अवसर देना चाहेंगे। और क्यों ?

प्रश्न :– कक्षा में दी जाने वाली जानकारियॉ क्या ज्ञान के प्रकारों के अंतर्गत आते हैं ? उदा. सहित स्पष्ट करें।

सत्रगत कार्य (गणित)

सत्रीय कार्य :–

1. सत्रीय कार्य गणित एवं गणित शिक्षण में प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य पूरे किया जाना है। प्रत्येक के 5–5 अंक होगे। इन चार सत्रीय कार्य में जितने अंक प्रशिक्षार्थी को प्राप्त होगें वह अंक उसके आतंरिक मूल्यांकन के होगें।

2. **सत्रीय कार्य का स्वरूप** : – सत्रीय कार्य का मूल उद्देश्य इस वर्श हेतु यह है कि प्रशिक्षार्थी पाठ्य सामग्री का एक बार ध्यानपूर्वक अध्ययन करें तथा इस पाठ्य सामग्री के बातों को समझे और उसी समझ के आधार पर सात्रिक कार्य के प्रश्नों को हल करें।

3. इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए शिक्षक प्रशिक्षकों को सत्र में 4 सत्रीय कार्य दिये जायेगें। एक सत्रीय कार्य में 1 से 3 प्रश्न हो सकते है एक सत्रीय कार्य में प्रश्नों के जवाब लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। अर्थात यदि एक सत्रीय कार्य में 3 प्रश्न होते है तो प्रत्येक प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में हो सकते है।

   गणित विषय सत्रीय कार्य के लिए पूरे पुस्तक को 4 भागों में विभाजित किया गया है जिसके अनुसार

1. प्रथम सत्रीय कार्य में पाठ 1, पाठ 2 व पाठ 3 को भाामिल किया है तथा सत्रीय कार्य के लिए 17 प्रश्न तैयार किया गया है जिसके आधार पर आप और प्रश्न तैयार कर सकते हैं तथा यदि बड़े प्रश्न हो तो 1 या 2 तथा छोटे प्रश्न हो तो 3–4 प्रश्न दे सकेंगे। 1 सम्पूर्ण कक्षा को प्रश्न आबंटित करते समय यह ध्यान रखे कि दिये जाने वाला 3 या 4 प्रश्न सभी प्रशिक्षार्थियों के लिए कामन न हो।

2. द्वितीय सत्रीय कार्य में पाठ 4 से पाठ 7 तक के पाठ को भाामिल किया है इन पाठों से

   15 प्रश्न बनाये गये है।

3. तृतीय सत्रीय कार्य में पाठ 8 से पाठ 10 तक शमिल है।

4. चौथे सत्रीय कार्य में पाठ 11 से पाठ 15 तक शमिल किया गया है।

4. **सत्रीय कार्य देने का समयः** – दिपावली अवकाश में आयोजित कान्टेक्ट क्लास में एक सत्रीय कार्य कराये जायेगें तथा 3 सत्रीय कार्य के प्रश्न दे दिये जाय जिसे वे दिसम्बर

तक पूर्ण कर मूल्यांकन करा सके तथा आवश्यक फीडबैक प्राप्त कर सके और कोई सुधार की गुजांइश हो तो सत्र के अंतिम में आयोजित ब्वदजंबज ब्सें तक पूरा कर सकें।

सत्रीय कार्य का मूल्यांकन :– सत्रीय कार्य का प्रश्न देते समय M. T पूछे गये प्रश्न मूलस्वरूप को पहले समझ ले और उसी के अनुरूप वे मूल्यांकन करें। मूल्यांकन करते समय एक बात का ध्यान रखें कि क्या प्रशिक्षार्थी ने सत्रीय कार्य के मुख्य उद्दे यों का पूर्ति किया है अथवा नहीं। कोई कमी हो तो सुझाव अवश्य दे तथा कमियों को सुधारने में प्रशिक्षार्थी का सहायता करें। 500 भाब्द के उत्तर वाले प्रश्न 5 अंक के होगें तथा 100 से 150 भाब्द के उत्तर वाले प्रश्न क्रमशः 1 1/2 से 2 अंक के हो सकते है।

सभी प्रश्नसुझाव मात्र है आप स्वयं भी इसी प्रकार और प्रश्नों का निर्माण कर सकते हैं।

विषय – गणित

1.1.स्कूल पूर्वी बच्चे गणित के बारे में क्या जानते है ? उदा. द्वारा बताइये।

1.2.''जब हम मैदान में खेलते है तो गणित का इस्तेमाल करते है'' उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिये।

1.3.गणित का उपयोग मनोरंजन के लिये कैसे किया जा सकता है उदा. द्वारा

समझाइये।

1.4.''गणित हमारे चारों ओर है'' इस कथन के समर्थन में तर्क दीजिए।

1.5.''बच्चे गतिविधि या अनुभव से सीखते है'' इस कथन को उदा. सहित समझाइये।

1.6.बच्चों को प्रतिवर्त्यता एवं संरक्षण का सिद्धांत समझाने के लिये आप बच्चों के साथ कौन–कौन से गतिविधियाँ करेंगे। गतिविधियों को लिखिए।

1.7.''बच्चे अपने तरीके से सीखते है'' इसे स्पष्ट करने के लिये दो उदा. दीजिये।

1.8.प्याजे ने बच्चों के विकास को चार अवस्थाओं में बॉटा है जिसमें से पूर्व संक्रियात्मक अवस्था को उदा. द्वारा स्पश्ट कीजिये।

1.9.बच्चें नकल करके नहीं सीखते है इस कथन से आप सहमत है अथवा नहीं। अपने जवाब के समर्थन में कम से कम दो उदाहरण देते हुए उसे तर्क दीजिए।

1.10. आप अपने आस–पास होने वाले 3 क्रियाकलापों/वस्तुओं को चुने जिनमें गणित का प्रयोग हुआ है और विश्लेशण कर उल्लेख करें कि इनमें गणित का प्रयोग किस प्रकार हुआ है और इस बात की पुष्टि करें कि गणित हमारे चारों ओर है।

1.11. प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों के लिए तीन प्रश्न/पहेलियॉ बनाइए जिससे बच्चों को गणित रोचक और आनंददायी लगे।

1.12. कक्षा में बच्चों को गिनती सिखाना है। क्या आप समझते हैं कि बच्चों को गिनती सिखाने के पूर्व संख्या पूर्व अवधारणाओं का ज्ञान होना जरूरी है? अगर जरूरी है तो क्यों?

1.13. संख्यापूर्ण अवधारणाओं से क्या आशय है? संख्यापूर्ण अवधारणाएं क्या है ? इन अवधारणाओं का प्रयोग आप बच्चों के साथ कब और क्यों करना चाहेंगे।

1.14. कक्षा तीसरी के बच्चों को जोड़ सिखाने के लिए गतिविधि का निर्माण करना है। पियाजे की संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाओं के अनुरूप आप एक गतिविधि का निर्माण कीजिए।

1.15. मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में बच्चों के साथ काम करने के लिए गणित विशय में दो गतिविधियों का निर्माण कर यह स्पष्ट करें कि आप उन गतिविधियों के प्रयोग से बच्चों में कौन सा कौशल विकसित करेंगे।

1.16. एक ही उम्र के बच्चे अलग–अलग संक्रियात्मक अवस्थाएँ हो सकते हैं और अलग–अलग उम्र के बच्चे विकास की एक ही अवस्था में हो सकते हैं। क्या आप इस कथन हेतु सहमत हैं ? यदि हॉ तो उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।

1.17. ''बच्चे सीखने को उत्सुक रहते हैं तथा कुदरती तौर पर जिज्ञासु होते है। वे हर उस चीज को सीखते हैं जो उन्हें सार्थक व रोचक लगे।'' इस कथन की पुष्टि के लिए बच्चों का अवलोकन करते हुए कोई तीन उदाहरण दे कर पुष्टि करें।